Report

GDCW, Kathua Celebrates National Mathematics day

Department of Mathematics GDC for Women, Kathua under the aegis of IQAC celebrated National Mathematics Day on 23-12-2024 under the able guidance of the Principal of the college, Dr. Savi Behl. National Mathematics Day is celebrated on 22nd December every year to mark the Birth Anniversary of Legendary Indian Mathematician Srinivasa Ramanujan who is considered as one of the greatest mathematicians of all time. . The theme for National Mathematics Day 2024 was “Mathematics: The Bridge to Innovation and Progress." This theme projects that the concepts of mathematics are basic to several other developments in the field of science and technology. It is an effort to inspire and motivate young minds and problem-solving skills among students to understand the beauty of mathematics as a tool for innovation. Dr. Savi Behl in her opening remarks said that Ramanujan was self-taught, learning mathematics from a book and then pursuing it obsessively. He made pioneering discoveries in the theory of numbers, including the properties of the partition function. He also solved mathematical problems that were previously considered unsolvable. Dr. Renu, Head, Department of mathematics delivered a lecture on life history of Indian Mathematics Srinivasa Ramanujan. She said that this day is celebrated on December 22nd across the nation every year to recognize and celebrate the work of Srinivasa Ramanujan. The main objective behind the celebration of National Mathematics day is to make people aware of the development of mathematics and its importance in the growth of humanity. Srinivasa Ramanujan (NAAC Accredited B+) Grade) was fondly known as "the man who knew infinity" and highlighted various contributions of Srinivasa Ramanujan in the subject of mathematics. India have produced many such genius in the field of mathematics and it was very unfortunate that he was survived for only 32 years and till now many of his theorems are still unsolved. After the lecture, the college screened the documentary "A Man Who Knew Infinity." The documentary celebrates the life and contributions of the legendary Indian mathematician Srinivasa Ramanujan. The documentary showcased Ramanujan's journey from humble beginnings in India to his collaboration with G.H. Hardy at Cambridge University. After the screening, a discussion session in which students shared their thoughts on the documentary and the lessons they learned from Ramanujan’s story. While discussing, Dr. Renu said that this celebration will inspire students and install a deeper appreciation for mathematics and the contribution of Indian genius of Srinivasa Ramanujan towards development of global mathematics. Prof. Savi Behl, Principal of the college congratulated the department of mathematics for organizing such a event. The event was witnessed by many faculty members Dr. Ambica, Dr. Surekha Rani, Dr. Usha Kiran, Dr. Gurpreet kour, Dr. Pratiyogita and Dr. Tajinder kour.

गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को किया याद

जागरण संवाददाता, कठुआः महिला डिग्री कालेज कठुआ के गणित विभाग ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में कालेज की प्रिंसिपल डा सवी बहल के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया।

राष्ट्रीय गणित दिवस हर साल 22 दिसंबर को महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्हें अब तक के सबसे महान गणितज्ञों में से एक माना जाता है। राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 का विषय गणित नवाचार और प्रगति का सेतु था। यह विषय दर्शाता है कि गणित की अवधारणाएं विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई अन्य विकासों के लिए बुनियादी हैं। यह नवाचार के एक उपकरण के रूप में गणित की सुंदरता को समझने के लिए छात्रों के बीच युवा दिमाग और समस्या-समाधान कौशल को प्रेरित और प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है। डा. सावी बहल ने कहा कि रामानुजन स्व-शिक्षित थे, एक किताब से गणित सीखते थे और फिर जुनूनी रूप से उसका अनुसरण करते थे। उन्होंने विभाजन फंक्शन के गुणों सहित संख्याओं के सिद्धांत में अग्रणी खोज की। उन्होंने गणितीय समस्याओं को भी हल किया, जिन्हें पहले अघुलनशील माना जाता था। गणित विभाग की प्रमुख डा रेणु ने भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन इतिहास पर व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों को गणित के विकास और मानवता के विकास में इसके महत्व के बारे में जागरूक करना है। श्रीनिवास रामानुजन को अनंत को जानने वाले व्यक्ति के रूप में भी जाना जाता था और गणित के विषय में श्रीनिवास रामानुजन के विभिन्न योगदानों पर प्रकाश डाला गया। भारत ने गणित के क्षेत्र में कई ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को जन्म दिया है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे केवल 32 वर्षों तक जीवित रहे और अब तक उनके कई प्रमेय अभी भी अनसुलझे हैं। वृत्तचित्र महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और योगदान का जश्न मनाता है।

जीडीसीडब्लू, कठुआ ने राष्ट्रीय गणति दिवस मनाया

राष्ट्रीय गणति दिवस पर जीडीसीडब्लू, कठुआ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं गणति विभाग की प्रमुख डॉ. रेणु । अर्जुन शर्मा

सवेरा न्यूज/कुलदीप शर्मा

कठुआ, 23 दिसंबर : गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वूमेन(जीडीसीडब्ल्यू), कठुआ के आईक्यूएसी के तत्वावधान में गणति विभाग ने कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सावी बहल के कुशल मार्गदर्शन में सोमवार को राष्ट्रीय गणति दिवस मनाया। महान भारतीय गणतिज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 22 दिसंबर को राष्ट्रीय गणति दिवस मनाया जाता है, जिन्हें अब तक के सबसे महान गणतिज्ञों में से एक माना जाता है। राष्ट्रीय गणति दिवस 2024 का थीम ₹गणतिः नवाचार और प्रगति का पुल था। यह थीम दर्शाती है कि गणति की अवधारणाएँ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कई अन्य विकासों के लिए बुनियादी हैं। यह युवा दिमाग और छात्रों के बीच समस्या-समाधान कौशल को प्रेरित करने और प्रेरित करने का एक प्रयास है ताकि वे नवाचार के लिए एक उपकरण के रूप में गणति की सुंदरता को समझ सकें। डॉ. सावी बहल ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि रामानुजन स्वयं-शिक्षति थे, एक किताब से गणति सीखते थे और फिर जुनूनी रूप से उसका अनुसरण करते थे। उन्होंने विभाजन फ़ंक्शन के गुणों सहित संख्याओं के सिद्धांत में अग्रणी खोज की। उन्होंने गणतिीय समस्याओं को भी हल किया, जिन्हें पहले असाध्य माना जाता था। गणति विभाग की प्रमुख डॉ. रेणु ने भारतीय गणतिज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन इतिहास पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि यह दिन हर साल 22 दिसंबर को पूरे देश में श्रीनिवास रामानुजन के कार्यों को पहचानने और मनाने के लिए मनाया जाता है। राष्ट्रीय गणति दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों को गणति के विकास और मानवता के विकास में इसके महत्व के बारे में जागरूक करना है। श्रीनिवास रामानुजन को प्यार से अनंत को जानने वाले व्यक्तिर के रूप में जाना जाता था और उन्होंने गणति के क्षेत्र में श्रीनिवास